

राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

संख्या–252/2026

प्रेस–विज्ञप्ति

बिहार के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के प्रशिक्षण का दूसरा चरण शुरू

पटना 23 नवम्बर, 2026 :– संकाय विकास कार्यक्रम (Faculty Development Programme-FDP) का दूसरा चरण 02 नवंबर से शुरू हो चुका है और 12 दिसंबर, 2026 तक चलेगा। इसके तहत राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय विभागों में कुल 29 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विकसित भारत के लिए शिक्षकों को सशक्त बनाने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एवं समावेशी शिक्षण पद्धति, डिजाइन थिंकिंग एवं मूल्यांकन, लैंगिक संवेदनशीलता एवं महिला सशक्तीकरण, भारतीय ज्ञान परंपरा, उच्च शिक्षा में डिजिटल तकनीक का उपयोग, बिहार के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं, सतत विकास, पाठ्यक्रम एवं शिक्षण पद्धति, शोध पद्धति एवं अकादमिक लेखन, साइबर सुरक्षा एवं साइबर कानून, ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध व्यापक एवं मुक्त पाठ्यक्रम (MOOCs) एवं ई–कंटेंट विकास, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप पारंपरिक ज्ञान एवं आधुनिक शिक्षा के समन्वय, शैक्षणिक नेतृत्व एवं प्रबंधन, संस्थागत योजना एवं विकास, प्रत्यायन एवं गुणवत्ता का आश्वासन तथा शिक्षण एवं शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल उपकरणों के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस कार्यक्रम का आयोजन बिहार के यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों (MMTTCs) द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम का तीसरा चरण 15 जनवरी से 15 मार्च, 2027 तक प्रस्तावित है।

उल्लेखनीय है कि बिहार के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के ज्ञान, शिक्षण कौशल और व्यावसायिक दक्षता को विकसित करने के उद्देश्य से माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) की पहल पर संकाय विकास कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य बिहार में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना तथा शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, शोध और नए शैक्षणिक तरीकों से परिचित कराना है। इस कार्यक्रम से महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाई का स्तर बेहतर होने के साथ–साथ शिक्षकों की क्षमता और कार्यकुशलता भी बढ़ेगी।

.....